

प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय हवेली खडगपुर, मुंगेर

विवरण-पुस्तिका



प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय हवेली खडगपुर, मुंगेर

हमारे संस्थान में आपका स्वागत है

योग नगरी मुंगेर के पावन धरती हवेली खड़गपुर में, पहाड़ों एवं झीलों के हसीन वादियों में स्थित प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय हवेली खड़गपुर, मुंगेर शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित संस्थान है।

संस्थान का रणनीतिक स्थान ऐतिहासिक, औद्योगिक और आध्यात्मिक वातावरण का अद्वितीय संगम प्रदान करता है, जो विद्यार्थियों के लिए समृद्ध शिक्षण अनुभव का आधार बनता है। विशाल क्षेत्र में फैला परिसर आधुनिक अधोसंरचना, अत्याधुनिक शिक्षण साधन और अनुभवी संकाय से सुसज्जित है।

संस्थान का उद्देश्य ऐसे शिक्षकों का निर्माण करना है जो—

- शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट हों,
- शिक्षण पद्धति में दक्ष हों,
- और व्यक्तिगत रूप से परिपक्व हों।

पहाड़ों एवं झीलों के हसीन वादियों में विद्यार्थियों में करुणा, सहानुभूति और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्य स्थापित करती है। उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षकों को तैयार कर यह संस्थान भारत में शिक्षा के भविष्य को आकार देने में योगदान देता है।

संस्थान का शांत और पवित्र वातावरण विद्यार्थियों को प्रबुद्ध शिक्षक बनने के लिए प्रेरित करता है, ताकि वे आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का मार्ग आलोकित कर सकें।

प्राचार्य की कलम से

किसी राष्ट्र की सफलता उसके युवाओं पर निर्भर करती है, और युवा उस शिक्षा की गुणवत्ता पर निर्भर करते हैं जो उन्हें प्राप्त होती है। आज का नया युग *DICE*—डिजाइन, नवाचार, रचनात्मकता और उद्यमिता—से प्रभावित है। इन नए तत्वों को आत्मसात करने के लिए नवाचारी शिक्षण पद्धतियों को समझना अत्यंत आवश्यक है। ज्ञान इस उद्देश्य को प्राप्त करने का द्वार खोलता है।

शिक्षक की भूमिका भले ही समय के साथ बदली हो, लेकिन वह अब भी विद्यार्थी की शैक्षिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक और नेतृत्वकर्ता बना हुआ है। समाज में किसी अन्य पेशे ने अभी तक व्यक्तियों के जीवन पर इतना परिवर्तनकारी प्रभाव नहीं डाला है जितना कि शिक्षण ने। हमारा संकल्प है कि हम अपने वर्तमान और भावी प्रशिक्षुओं की सहायता करते रहें ताकि वे अपने करियर में आगे बढ़ सकें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें।

यहाँ PTEC में हम ऐसे ही भावी शिक्षकों को तैयार करने का प्रयास करते हैं जो स्वयं को अभूतपूर्व चुनौतियों और अवसरों का सामना करने के लिए सक्षम पाएँ, और जो समयानुसार होने वाले परिवर्तनों तथा वैश्वीकरण से उत्पन्न विशाल संभावनाओं का लाभ उठा सकें।

एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए आदर्श होता है। वह न केवल अपने विषय के पाठ्यक्रम में संरक्षित ज्ञान को प्रदान करता है, बल्कि एक मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में विद्यार्थियों का करियर भी बनाता है। इसके लिए हमारे शिक्षकों में उच्च स्तर की ईमानदारी, जिम्मेदारी और उत्तरदायित्व की आवश्यकता होती है।

PTEC का प्रयास ऐसे भावी शिक्षकों को तैयार करना है जो अपने आचरण, ज्ञान और मार्गदर्शन के माध्यम से नई पीढ़ी के मन पर अमिट छाप छोड़ सकें।

शुभकामनाएँ !

दृष्टि

हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे संस्थान के प्रत्येक प्रशिक्षु के लिए शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास सुनिश्चित हो। हम प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय हवेली खड़गपुर, मुंगेर, बिहार में सूचना युग के पेशेवर शिक्षकों को तैयार करने के लिए एक अलग वातावरण का वादा करते हैं। हम अनुशासन को प्रोत्साहित करते हैं, जो ऐसी गतिविधियों के साथ संतुलित है जो हमारे प्रशिक्षु में रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देती हैं, और हम चाहते हैं कि वे सभी आत्मनिर्भर बनें।

मिशन

प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय हवेली खड़गपुर, मुंगेर, बिहार का एक प्रतिष्ठित शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान है। यहाँ ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक के इच्छुक विद्यार्थियों को शिक्षक बनने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। यह संस्थान विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भी समर्पित है। हमारा कर्तव्य है कि शिक्षा के क्षेत्र में बहुआयामी गुणों और पेशेवर दक्षताओं से युक्त प्रशिक्षित और प्रतिबद्ध शिक्षकों को तैयार करें।

हमारा मिशन है कि हम अपने संस्थान के प्रशिक्षुओं के गतिशील व्यक्तित्व के विकास में बहुमुखी प्रतिभा का संचार करें। इसके लिए हम शैक्षणिक तथा व्यावसायिक तैयारी के अनेक कार्यक्रम संचालित करते हैं। हमारा *समेकित शिक्षण कार्यक्रम* आधुनिक युग के भावी शिक्षक को तैयार करने के सभी पहलुओं को समाहित करता है।

संस्थान का संक्षिप्त परिचय

- **स्थापना:** प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय हवेली खड़गपुर, मुंगेर, बिहार की स्थापना 3 जुलाई 1934 को की गई थी, जिसका उद्देश्य शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना था। यह स्थानीय लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग भी थी।

- **प्रबंधन:** यह एक सह-शैक्षिक शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान है जिसे राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना द्वारा संचालित किया जाता है। यह संस्था राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली के अंतर्गत कार्य करती है।
- **मान्यता:** संस्थान को राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE), पूर्वी क्षेत्रीय समिति, भुवनेश्वर द्वारा स्थायी मान्यता प्राप्त है ([पत्र संख्या ERC/7-162.6.26/NCTE/D.El.Ed./2013/21489 दिनांक 26/10/2013](#))। यह बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) से संबद्ध है।
- **कार्यक्रम:** संस्थान को शैक्षणिक सत्र 2013 से डी.एल.एड. (D.El.Ed.) दो वर्षीय कार्यक्रम संचालित करने की मान्यता प्राप्त है।
- संस्थान द्वारा सेवारत शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम भी विभागीय निदेशों व नियमों के अनुसार संचालित किया जाता है।

मान्यता एवं संबद्धता

संस्थान को राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (NCTE), पूर्वी क्षेत्रीय समिति, भुवनेश्वर द्वारा पत्र संख्या ([पत्र संख्या ERC/7-162.6.26/NCTE/D.El.Ed./2013/21489 दिनांक 26/10/2013](#)) के माध्यम से मान्यता प्राप्त है तथा यह बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना से संबद्ध है।

संस्थान की उपलब्धियाँ एवं दृष्टिकोण

- स्थापना के समय से ही कॉलेज अपने ' लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है— उत्कृष्टता को मानक बनाना और विद्यार्थियों के लिए वैश्विक पहुँच सुनिश्चित करना।
- गुणवत्ता को आधार मानकर आधारीक संरचना और मानव संसाधन का विकास किया जा रहा है।
- एक महान शिक्षक वही होता है जिसे विद्यार्थी जीवन भर याद रखते हैं और संजोते हैं। ऐसे शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन पर स्थायी प्रभाव डालते हैं और उन्हें उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करते हैं। यह संस्थान ऐसे ही शिक्षकों के निर्माण के लिए दृढप्रतिज्ञ है।

भाषा एवं संप्रेषण

- प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय हवेली खड़गपुर, मुंगेर, बिहार में प्रशिक्षुओं को भाषा के प्रति प्रेम और उसकी संप्रेषण शक्ति, मनोरंजन क्षमता तथा अपनी आवश्यकताओं और भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता से सशक्त बनाया जाता है।
- संस्थान की भाषा प्रयोगशाला इस लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

गतिविधियाँ एवं नवाचार

- हम अपने भावी शिक्षकों की व्यापक क्षमता को विभिन्न समूह और व्यक्तिगत गतिविधियों के माध्यम से प्रज्वलित और सक्रिय करते हैं, जो सफल शिक्षक बनने के लिए अत्यधिक अनुशंसित हैं।
- संस्थान का दृढ़ विश्वास है कि सूचना प्रौद्योगिकी के युग में हमारे भावी शिक्षक इसमें दक्ष होने चाहिए।
- प्रशिक्षुओं को नियमित रूप से आईसीटी लैब के माध्यम से आधुनिक शिक्षा और प्रशिक्षण में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग कराया जाता है।

परिसरगत सुविधाएँ

1. पुस्तकालय

किसी भी शैक्षणिक संस्थान के लिए पुस्तकालय उसकी आत्मा होती है। प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय हवेली खड़गपुर, मुंगेर के पाठ्यक्रम का यह एक विशेष हिस्सा है। यह ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण का आधार है तथा शिक्षकों और प्रशिक्षुओं के अभ्यास का केंद्र है।

संस्थान का पुस्तकालय पर्याप्त संख्या में समाचार पत्र, पुस्तकों, पत्रिकाओं, शैक्षणिक पत्रिकाओं, शोध जर्नल और बी.एड., डी.एल.एड., मूल्यवर्धित तथा स्व-अध्ययन पाठ्यक्रमों के लिए संदर्भ पुस्तकों से सुसज्जित है।

- ई-लाइब्रेरी की सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।
- शिक्षकों और विद्यार्थियों के स्व-अध्ययन हेतु पठन-कक्ष की व्यवस्था है।
- पुस्तकालय के संचालन हेतु लाइब्रेरियन और अन्य कर्मचारी कार्यरत हैं।



2. खेल का मैदान

संस्थान परिसर में इनडोर और आउटडोर खेलों तथा खेलकूद गतिविधियों के लिए अत्यंत उत्कृष्ट व्यवस्थाएँ की गई हैं। यहाँ विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

साथ ही, संस्थान के प्रांगन में समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियाँ, राष्ट्रीय पर्व और अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, जिससे प्रशिक्षुओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।



3. संस्थागत भ्रमण

हमारा मिशन है कि हम अपने प्रशिक्षुओं के गतिशील व्यक्तित्व के विकास में बहुमुखी प्रतिभा का संचार करें। इसके लिए हम शैक्षणिक तथा व्यावसायिक तैयारी के अनेक कार्यक्रम संचालित करते हैं। हमारा समेकित शिक्षण कार्यक्रम आधुनिक युग के भावी शिक्षक को तैयार करने के सभी पहलुओं को समाहित करता है यथा कला समेकित शिक्षा, खेल समेकित शिक्षा, परियोजना आधारित शिक्षा आदि।

संस्थान समय-समय पर प्रशिक्षुओं और शिक्षकों को शैक्षणिक परिभ्रमण के अन्तर्गत अन्य शैक्षणिक संस्थानों में अवलोकन हेतु भेजता है। इसका उद्देश्य उन्हें उन संस्थानों के कार्य, कार्य-संस्कृति और संचालन को समझने का अवसर प्रदान करना है। ऐसे शैक्षणिक भ्रमण वर्ष में एक बार आयोजित किए जाते हैं।



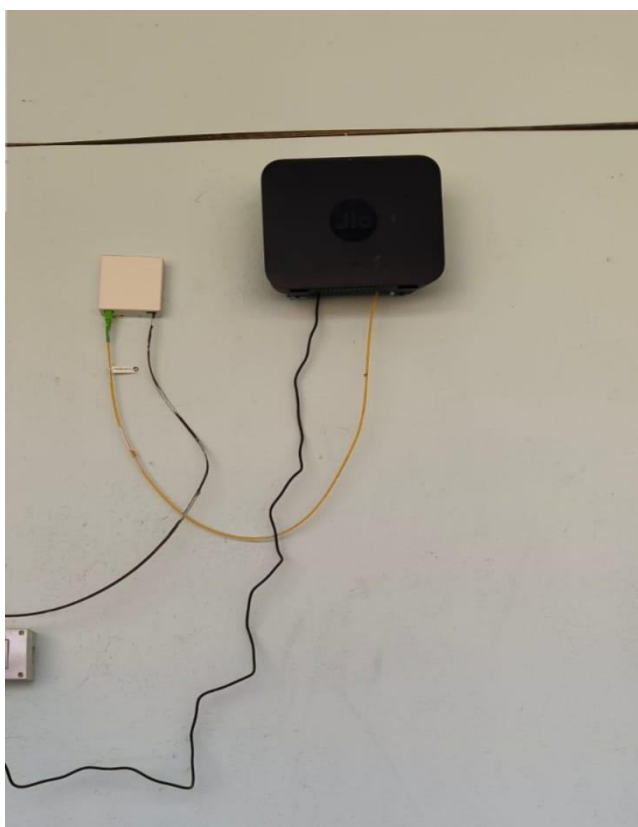
4.संकाय

संस्थान में उच्च शिक्षित, अनुभवी और समर्पित व्याख्याता कार्यरत हैं। ये व्याख्याता प्रशिक्षुओं को शिक्षण-शास्त्रीय पहलुओं के अधीन विभिन्न शिक्षण पद्धतियों और बाल-केंद्रित शिक्षा में मार्गदर्शन देते हैं तथा हर प्रकार से उनकी सहायता के लिए तत्पर रहते हैं। इसके अतिरिक्त, समय-समय पर बाहरी वरिष्ठ अतिथि प्राध्यापक भी आते हैं और विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल तथा दृष्टिकोण के संदर्भ में मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करते हैं।



5. वाई-फाई परिसर

सरकारी नीति और अभियान के अनुरूप, कॉलेज ने अपने परिसर में उच्च गुणवत्ता वाली इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई है। पहले की पीढ़ियाँ पारंपरिक वातावरण पर निर्भर थीं, लेकिन हमारे संस्थान के विद्यार्थी और शिक्षक डिजिटल युग में सीखने और सिखाने की प्रक्रिया में संलग्न हैं। इसी कारण परिसर में कई वाई-फाई की व्यवस्था की गई है, जिससे वे पारंपरिक तारयुक्त इंटरनेट से मुक्त होकर सभी प्रकार की गतिविधियाँ डिजिटल माध्यम से कर सकें।



प्रयोगशाला सुविधाएँ

6. पाठ्यक्रम प्रयोगशाला

संस्थान में पाठ्यक्रम प्रयोगशाला की व्यवस्था की गई है ताकि विद्यार्थियों को विज्ञान विषयों — भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान और गणित — का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्राप्त हो सके।

- प्रयोगात्मक शिक्षण के लिए उपयुक्त उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।
- शिक्षण शास्त्र (Pedagogy) की कक्षाओं के दौरान संकाय सदस्य विद्यार्थियों की समझ को प्रदर्शन (Demonstration) और प्रयोगात्मक विधियों के माध्यम से विकसित करते हैं।
- यह प्रयोगशाला विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक रूप में समझने और लागू करने का अवसर प्रदान करती है।

भाषा प्रयोगशाला

अंग्रेजी हमारे देश की सह-आधिकारिक भाषा है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) 2005 के अनुसार अंग्रेजी को रोजगार की भाषा माना गया है। वैश्वीकरण, बाजारवाद और उदारवाद की नीतियों के कारण अंग्रेजी आज विश्वभर में शिक्षा, राजनीति और व्यवसाय की भाषा बन गई है।

इसी परिप्रेक्ष्य में संस्थान में अंग्रेजी भाषा प्रयोगशाला की स्थापना की गई है, जहाँ विद्यार्थियों को—

- सही उच्चारण का अभ्यास,
- वाक्य संरचना की समझ,
- और शब्दों के प्रयोग का अभ्यास कराया जाता है।

प्रशिक्षु इस प्रयोगशाला का लाभ उठाकर अपनी भाषा दक्षता को निरंतर सुदृढ़ कर रहे हैं।





7.आईसीटी प्रयोगशाला

कंप्यूटर तकनीक, जो चौथी औद्योगिक क्रांति का प्रतीक है, आज हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। इसी उद्देश्य से संस्थान में सूचना एवं कंप्यूटर तकनीक (ICT) प्रयोगशाला की स्थापना की गई है, ताकि शिक्षण और अधिगम की प्रक्रिया को आधुनिक रूप दिया जा सके।

- यह प्रयोगशाला *F-12* के व्यावहारिक पक्ष को सिखाने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है।
- प्रशिक्षुओं के व्यावहारिक कार्यों को पूरा करने हेतु हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को इंटरनेट से जोड़ने की व्यवस्था की गई है।
- इस प्रयोगशाला में कुल **40 कंप्यूटर** स्थापित किए गए हैं, जिनका उपयोग प्रशिक्षु अपने अधिगम और अभ्यास के लिए करते हैं।



8. बहुदेशीय सभागार

शिक्षा में संगीत का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। संस्थान में संगीत के तीनों प्रमुख शाखाओं में प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। सभागार में कई प्रकार के वाद्ययंत्र उपलब्ध हैं। प्रशिक्षुओं को संस्थान परिसर

में ही संगीत सीखने और अभ्यास करने की सुविधा प्रदान की जाती है। विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक व् अकादमिक गतिविधियों का आयोजन समय समय पर बहुदेशीय सभागार में किया जाता है।



भारतीय परंपरा में कला और शिल्प का शिक्षा के क्षेत्र में विशेष महत्व है। कला आत्मा को शांति देती है और हृदय में आनंद उत्पन्न करती है, वहीं शिल्प प्रशिक्षुओं के कौशल का विकास करता है। शिक्षा के विभिन्न आयाम कला और शिल्प के अध्ययन के माध्यम से परिलक्षित होते हैं।

संस्थान में कला और शिल्प को समझने के लिए एक विशेष केंद्र (कक्ष) की व्यवस्था की गई है तथा इसके लिए एक पूर्णकालिक व्याख्याता नियुक्त किये गए हैं।

प्रवेश के मानदंड एवं दिशानिर्देश

डी.एल.एड. (प्रारम्भिक शिक्षा में डिप्लोमा), दो वर्षीय पाठ्यक्रम

न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता

- 10+2 या इंटरमीडिएट किसी भी विषय/विभाग से उत्तीर्ण।
- न्यूनतम 50% अंक (आरक्षित वर्ग हेतु 45%) आवश्यक।
- आयु: न्यूनतम 17 वर्ष या उससे अधिक (1 जनवरी को)।

प्रवेश परीक्षा

प्रवेश केवल उन्हीं योग्य अभ्यर्थियों को दिया जाएगा जो बिहार डी.एल.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JET – D.El.Ed.) में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण होंगे। यह परीक्षा बिहार विद्यालय परीक्षा समिति, पटना द्वारा आयोजित की जाती है।

पाठ्यक्रम शुल्क

डी.एल.एड. पाठ्यक्रम का शुल्क दो वर्षों के लिए ₹20,000 (बीस हजार रुपये मात्र) है। यह शुल्क बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के आदेशानुसार निर्धारित किया गया है। एस०सी०, एस०टी० व दिव्यांग कोटि के अभ्यर्थियों के लिए यह शुल्क ₹12,000 (बारह हजार रुपये मात्र) है।

आवश्यक दस्तावेज़

1. JET – D.El.Ed. परीक्षा का प्रवेश पत्र (Admit Card)
2. JET – D.El.Ed. का परिणाम पत्र/अंक-पत्रिका (Result Card/Marks Sheet)
3. JET – D.El.Ed. का सूचना पत्र (Intimation Letter)
4. JET – D.El.Ed. का सामान्य आवेदन पत्र (Common Application Form)
5. (a) प्रवेश पत्र (Admit Card) (b) कक्षा 10वीं की अंक-पत्रिका एवं प्रमाणपत्र
6. (a) प्रवेश पत्र (Admit Card) (b) कक्षा 12वीं (इंटरमीडिएट या समकक्ष) की अंक-पत्रिका एवं प्रमाणपत्र
7. स्नातक (या समकक्ष) की अंक-पत्रिका एवं प्रमाणपत्र
8. स्नातकोत्तर (या समकक्ष) की अंक-पत्रिका एवं प्रमाणपत्र (यदि लागू हो)
9. CLC/DLC/TC (मूल रूप में प्रस्तुत करना आवश्यक)
10. प्रवासन प्रमाणपत्र (Migration Certificate, यदि लागू हो)
11. निवास प्रमाणपत्र (Residence Certificate, यदि लागू हो)

12. सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी **जाति प्रमाणपत्र** (केवल आरक्षित वर्ग हेतु)
13. **EWS प्रमाणपत्र** (यदि लागू हो)
14. **PWD प्रमाणपत्र** (दिव्यांग अभ्यर्थियों हेतु)
15. **आधार कार्ड**
16. अन्य किसी कोटा से संबंधित प्रमाणपत्र (यदि लागू हो)
17. हाल ही का **पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटो** – 6 प्रतियाँ

संस्थान के नियम एवं विनियम

1. सभी प्रशिक्षुओं को **85% उपस्थिति** सुनिश्चित करनी होगी।
2. सभी प्रशिक्षुओं का **सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों** में भाग लेना अनिवार्य है।
3. प्रशिक्षुओं को अपने **इंटर्नशिप कार्यक्रम** में **कम से कम 90% उपस्थिति** बनाए रखनी होगी।
4. प्रशिक्षुओं की **प्रातःकालीन सभा** में उपस्थिति अनिवार्य होगी।
5. प्रशिक्षुओं को संस्थान द्वारा निर्धारित **पुस्तकालय नियमों** का पालन करना होगा।
6. प्रशिक्षुओं को संस्थान की संपत्ति का ध्यान रखना होगा और किसी भी प्रकार की क्षति या हानि नहीं पहुँचानी होगी। यदि कोई क्षति होती है तो उसकी भरपाई संबंधित प्रशिक्षु द्वारा जमा की गई सावधि राशि (Caution Money) से की जाएगी। यदि राशि अधिक होती है तो शेष राशि प्रशिक्षु को स्वयं जमा करनी होगी।
7. प्रशिक्षुओं को कक्षा में **मोबाइल फोन लाना सख्त वर्जित** है।
8. सभी प्रशिक्षुओं को संस्थान द्वारा निर्धारित **यूनिफॉर्म** में ही उपस्थित होना होगा।

प्रशिक्षुओं के लिए आचार संहिता

निम्नलिखित व्यवहार और कार्यों को **दुर्व्यवहार (Misconduct)** माना जाएगा:

1. शिक्षकों या किसी संस्थान कर्मचारी के प्रति **अनादर या अनुचित व्यवहार**।
2. प्रधानाचार्य या प्रभारी प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना **अनधिकृत अनुपस्थिति**।
3. कक्षाओं में जानबूझकर **विघ्न उत्पन्न करना**।
4. हड़ताल या अन्य विघटनकारी गतिविधियों को भड़काना या उनमें भाग लेना।
5. किसी भी परिस्थिति में **शारीरिक हिंसा** करना।

6. प्रबंधन, शिक्षक, प्रभारी प्रचार्य या प्रधानाचार्य के वैध आदेशों की अवहेलना।
7. परिषद् द्वारा निर्धारित उपस्थिति मानदंडों को पूरा न करना।
8. NCTE और SCERT द्वारा निर्धारित नियमों का उल्लंघन।
9. संस्थान परिसर में अनधिकृत व्यक्तियों या वस्तुओं को लाना।
10. समय पर असाइनमेंट और प्रोजेक्ट जमा न करना।
11. प्रवासन प्रमाणपत्र, अवकाश आवेदन या अन्य आवश्यक दस्तावेजों को देर से जमा करना।
12. महिला प्रशिक्षुओं के प्रति उत्पीड़न या अनुचित व्यवहार, या दूसरों को धमकाना/बुली करना।
13. अनैतिक कार्यों में संलग्न होना।
14. संस्थान या प्रशिक्षुओं की संपत्ति की चोरी या क्षति करना।
15. प्रातःकालीन सभा में अनुपस्थित रहना और इस प्रकार राष्ट्रीय गान का अनादर करना।
16. संस्थान के ड्रेस कोड का पालन न करना।
17. इंटरनशिप कार्यक्रम में अनुपस्थित रहना।

अनुशासनात्मक कार्रवाई

उपरोक्त किसी भी दुर्यवहार की स्थिति में प्रधानाचार्य, अनुशासन समिति की सिफारिशों के आधार पर उचित कार्रवाई करेंगे। दुर्यवहार की गंभीरता के अनुसार कार्रवाई में शामिल हो सकता है:

1. मौखिक या लिखित चेतावनी देना (आवश्यक होने पर अभिभावकों/संरक्षकों को सूचित करना)।
2. संस्थान की संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई कराना।
3. संस्थान से निष्कासन या निलंबन।
4. अपर्याप्त उपस्थिति या आवश्यक दस्तावेजों की कमी के कारण प्रशिक्षु को परीक्षा फॉर्म जमा करने से रोकना।

संकाय सदस्य

1. श्रीमति ममता कुमारी –(प्रभारी प्राचार्य) - फाउंडेशन
2. श्री अविनाश चन्द्र ठाकुर - (व्याख्याता) - हिंदी
3. श्री रविन्द्र कुमार रंजन -(व्याख्याता)- भौतिकी
4. डॉ अनीता कुमारी - (व्याख्याता) - उर्दू
5. श्री बिनोद कुमार राम - (व्याख्याता) - सामाजिक विज्ञान
6. श्रीमती वंदना कुमारी - (व्याख्याता) - अंग्रेजी

पुस्तकालयाध्यक्ष

1. श्री रविन्द्र कुमार रंजन – प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष (Acting Librarian)
2. डॉ अनीता कुमारी- अनुसन्धान प्रकोष्ठ प्रभारी

गैर-शैक्षणिक कर्मचारी

1. श्री शम्भू कुमार – कार्यालय लिपिक (Office Clerk)
- 2 श्री गौरव कुमार – सहायक लेखाकार (Accountant Assistant)
- 3 कुमारी प्रिया – डाटाइंट्री ऑपरेटर (Data Entry Operator)
- 4 मो० आदिल अंसारी – डाटाइंट्री ऑपरेटर (Data Entry Operator)